विरासत भी विकास भी

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गाथा

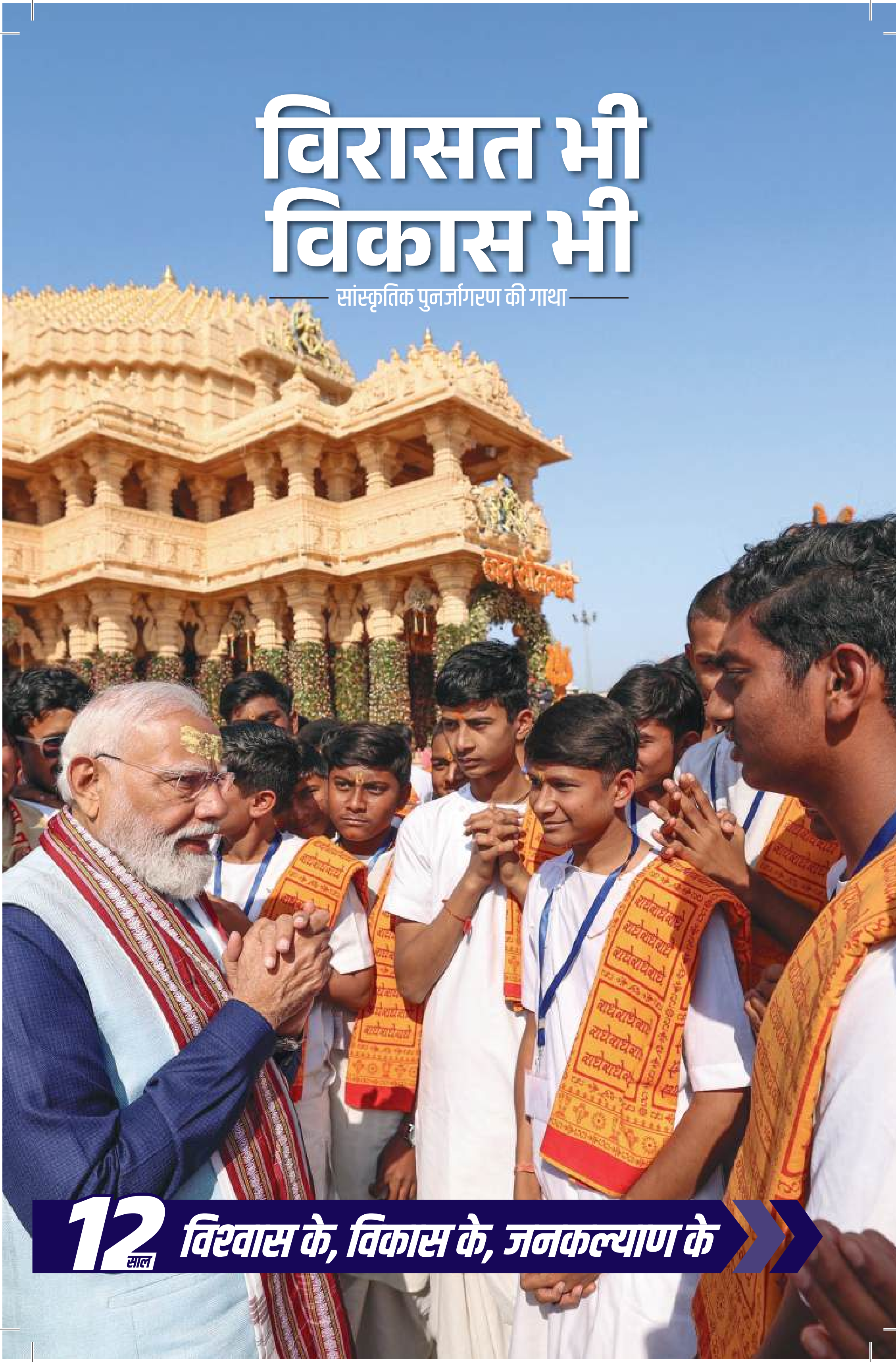

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

विषय सूची

अध्याय 1
पेज 07

एक राष्ट्र, एक विरासत, एक संकल्प

अध्याय 2
पेज 23

हरियाली से समृद्धि तक

अध्याय 3
पेज 39

सांस्कृतिक पुनर्जागरण

अध्याय 4
पेज 59

वन और वन्यजीव संपदा का संरक्षण

भव्य-दिव्य-नव्य

विरासत भी, विकास भी

-सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गाथा-

"राष्ट्रीय एकता हो या फिर नागरिक कर्तव्य बोध, इसमें भी हमारी ये सांस्क्रतिक विरासत कड़ी का काम करती है। यही वो मजबूत कड़ी है, जो देश को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भी भारत से जोड़ती है।"

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षों तक प्रकृति की गोद में रहकर संस्कृति की साधना की। उनकी सोच और वाणी में आज वही साधना दिखती है, जो राष्ट्र की नीति में उभरी है।

उनकी सोच ने भारत को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ते हुए नए भविष्य की राह दिखाई है।

आस्था का पुनर्जागरण

धन्य है यह अमृत पीढ़ी, जो सदियों के इंतजार को अपनी आंखों के सामने पूरा होते देख रही है।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर नव्य-भव्य-दिव्य राम मंदिर केवल एक निर्माण नहीं, यह राष्ट्र की सोई हुई चेतना का जागरण है।

विदेशी आक्रांताओं ने हमारे तीर्थों को तोड़ा, धरोहरों को लूटा। लेकिन भारत की आस्था कभी टूटी नहीं, बल्कि आज वह और प्रखर हो उठी है।

काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम, ये सब उसी पुनर्जागरण के प्रतीक हैं। बुद्ध सर्किट और राम सर्किट भी तेजी से विकसित हो रहे हैं।

सांस्कृतिक विरासत अब राष्ट्र की प्राण-वायु बन चुकी है। पुरातन और नूतन को एक साथ आत्मसात करते हुए भारत आगे बढ़ रहा है- यही है बीते 12 वर्षों के विजय और पुनर्निर्माण के कालखंड की सबसे बड़ी उपलब्धि।

धरोहर, भारत की धरा पर

औपनिवेशिक काल में जो अमूल्य धरोहरें छल और बल से छीन ली गई थीं, वह अब एक-एक कर स्वदेश लौट रही हैं। यह केवल मूर्तियों - कलाकृतियों की वापसी नहीं। यह हमारी स्मृति की वापसी है, हमारे स्वाभिमान का पुनर्जन्म है।

जब पहचान लौटती है, तो राष्ट्र का आत्मविश्वास भी लौट आता है। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं- "देश को आगे बढ़ना है, तो अपनी विरासत पर गर्व करना होगा।"

गुलामी की सोच से मुक्ति

विरासत पर गर्व के साथ-साथ मैकाले की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का महायज्ञ भी प्रज्वलित हो चुका है। वर्ष 2035 तक इस औपनिवेशिक सोच से पूर्ण मुक्ति का लक्ष्य निर्धारित हो चुका है।

नया कर्तव्य भवन इस नई चेतना का साक्षी है। नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को 'युगे युगीन भारत' राष्ट्रीय संग्रहालय के रूप में रूपांतरित किया जा रहा है, जहां देश का हर नागरिक भारत की हजारों वर्षों की गौरवशाली यात्रा का दर्शन कर सकेगा। यह इमारत नहीं, राष्ट्रीय स्वाभिमान का तीर्थ होगा।

योग भारत का दुनिया को उपहार

2014 में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

प्रकृति और वसुधैव कुटुंबकम

वसुधैव कुटुंबकम की भावना केवल मानव परिवार तक सीमित नहीं, बल्कि इसका विस्तार समूची सृष्टि तक है। 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम को आत्मसात करते हुए भारत पर्यावरण संरक्षण में भी विश्व का मार्गदर्शक बनकर उभरा है।

मिशन लाइफ की अगुवाई में प्रकृति के साथ समन्वय की नई राह दुनिया को दिखाई गई है। वन क्षेत्रों का विस्तार हुआ है, वन्यजीव संरक्षण नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। जो सभ्यता सदियों से पंचतत्व की पूजा करती आई हो, वही पृथ्वी की सच्ची संरक्षक भी होगी। भारत ने यह सिद्ध कर दिखाया है।

> **"भारत के लिए धर्म का अर्थ है, हमारे कर्तव्यों का सामूहिक संकल्प! हमारे संकल्पों का ध्येय है, विश्व का कल्याण, मानव मात्र की सेवा"**
>
> **- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

विरासत और विकासः अजेय संगम

जब किसी देश की आर्थिक ताकत के साथ उसकी सांस्कृतिक विरासत भी विश्व में सम्मान पाती है, तभी वह देश सही अर्थों में महाशक्ति बनता है।

आज भारत की संस्कृति और विरासत वैश्विक मंच पर हिमालय-सी ऊंचाई पर खड़ी है। विकास और विरासत का यह संगम ही भारत को 21वीं सदी की अगली पंक्ति में लाएगा।

विकसित भारत के स्वर्णिम संकल्प में संस्कृति और विरासत अब केवल एक अध्याय नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा है। इस आत्मा के बल पर भारत का उत्कर्ष अजेय है, अनंत है।

“भारत एक राष्ट्र होने के साथ ही एक महान परंपरा है...एक संस्कार की सरिता है। भारत वो शीर्ष चिंतन है- 'वसुधैव कुटुंबकम'। ... किसी भी और देश में जब कोई सनातन मंदिर खड़ा होता है, तो वो उस देश के मूल्यों को भी समृद्ध करता है।”

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अध्याय 1

एक राष्ट्र, एक विरासत, एक संकल्प

युगे युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय

- 5,000 साल की सभ्यता का सार, विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय
- सांस्कृतिक, कूटनीतिक और वैश्विक पहचान को मजबूती मिलेगी
- ऐतिहासिक भवनों का संरक्षण
- शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक पर्यटन को नया आयाम मिलेगा

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में छठा स्थान

- यूनेस्को के एशिया-पेसिफिक क्षेत्र की सूची में भारत का दूसरा स्थान
- यह भारत की समृद्ध विरासत और वैश्विक पहचान को दर्शाता है
- इससे पर्यटन और संरक्षण को बढ़ावा मिलता है

11 शास्त्रीय भाषाएं

- भारत की 11 शास्त्रीय भाषाएं, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक
- प्राचीन ज्ञान और साहित्य के संरक्षण को मिला बढ़ावा
- भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर मिली नई पहचान

नटराज की भव्य प्रतिमा

- भारत मंडपम में अष्टधातु की विश्व की सबसे ऊंची नटराज की प्रतिमा स्थापित है
- यह चोल कालीन पारंपरिक धातु शिल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है
- नटराज सृष्टि और ब्रह्मांडीय संतुलन के प्रतीक हैं
- अतुल्य भारत का प्रतीक

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

- गुजरात के लोथल में निर्माणाधीन राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर में भारत की 5,000 साल पुरानी समुद्री विरासत होगी प्रदर्शित
- इस पहल का उद्देश्य भारत की व्यापक समुद्री विरासत को प्रतिष्ठित और उसे पुनः स्थापित करना है
- इस परियोजना के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य- जुलाई 2026 निर्धारित

पारंपरिक चिकित्सा का महत्व

- **AYUSH** प्रणालियों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना
- पारंपरिक चिकित्सा से जुड़े वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों में नेतृत्व प्रदान करना
- पारंपरिक चिकित्सा की गुणवत्ता, सुरक्षा, प्रभावशीलता और तर्कसंगत उपयोग सुनिश्चित करना

44 यूनेस्को विश्व धरोहर

- भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का प्रतीक
- सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान
- विरासत संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण

वडनगर में पहला विश्व स्तरीय पुरातात्विक अनुभव संग्रहालय

- 2025 में वडनगर में भारत का पहला पुरातात्विक अनुभव संग्रहालय स्थापित किया गया
- लगभग 12,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में विस्तृत एक विशाल सांस्कृतिक परिसर
- अत्याधुनिक तकनीक ने प्राचीन सभ्यता को किया जीवंत

वैश्विक मंच पर डिजिटल धरोहर

- 12+ लाख पुरावशेष और 11,000+ स्मारक डिजिटल रूप से संरक्षित किए गए हैं
- यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के डिजिटलीकरण की बड़ी उपलब्धि है
- इससे शोध, संरक्षण और सार्वजनिक पहुंच को बढ़ावा मिलता है
- यह आधुनिक तकनीक के माध्यम से विरासत संरक्षण को सशक्त बनाता है

योग : भारत की 'सॉफ्ट पावर'

- विशाखापट्टनम में आयोजित 21 जून 2025 को 11वें योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में 3 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया
- विशाखापट्टनम में आयोजित 2025 के कार्यक्रम से दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बने
- 191 देशों में 2,000 से अधिक स्थानों पर योग शिविर लगाए गए
- भारत में योग आयोजनों के लिए वर्ष 2025 में 13 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया
- यह योग के प्रति वैश्विक जागरूकता और भारत के नेतृत्व को दर्शाता है
- भारत के प्राचीन ज्ञान को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

जनजातीय नायकों को सम्मान

- 11 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय आदिवासी नायकों को समर्पित
- जनजातीय नायकों के योगदान को मिली राष्ट्रीय पहचान
- आदिवासी संस्कृति और इतिहास के संरक्षण को बढ़ावा
- ऐतिहासिक न्याय और सांस्कृतिक समावेशन का प्रतीक

गुलामी की मानसिकता से मुक्त होता राष्ट्र

विकास के मानक

1. वापस लाई गई कलाकृतियां
2. यूनेस्को धरोहरों की संख्या
3. शास्त्रीय भाषाओं की संख्या

2014	2026
13	668
32	44
6	11

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति

वर्ष	पहले	अब
शासन से सेवा तक		
2016	रेस कोर्स रोड, नई दिल्ली	लोक कल्याण मार्ग
2022	राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन (1947 में किंग्सवे को राजपथ नाम दिया गया)	कर्तव्य पथ
औपनिवेशिक कालीन बजट परंपरा से आत्मनिर्भर भारत का बजट		
2017-18	रेल बजट (अलग से)	अब वित्त बजट के साथ होता है पेश
2019	चमड़े के ब्रीफकेस में लाया जाता था बजट	बही-खाता
अंडमान और निकोबार द्वीपों के औपनिवेशिक नाम हटाए		
2018	रॉस द्वीप, अंडमान और निकोबार	नेताजी सुभाष चंद्र बोस आईलैंड
2018	नील द्वीप, अंडमान और निकोबार	शहीद द्वीप
2018	हैवलॉक द्वीप, अंडमान और निकोबार	स्वराज द्वीप

वर्ष	पहले	अब
2022	बीटिंग रिट्रीट: पश्चिमी वाद्य यंत्रा	**भारतीय वाद्य यंत्र जोड़े गए: सितार, संतूर, तबला**
2022	सेंट जॉर्ज क्रॉस अंकित भारतीय नौसेना ध्वज (1950 से चलन में)	**नव प्रतीक: छत्रापति शिवाजी महाराज के सम्मान में नेवी ब्लू और सुनहरे रंग का अष्टकोण**
2022	'बीटिंग रिट्रीट' समारोह में 'अबाईड विद मी' की धुन	**ऐ मेरे वतन के लोगों**
2023	मुगल गार्डन, राष्ट्रपति भवन	**अमृत उद्यान**
2023	सेंगोल, इलाहाबाद संग्रहालय में संग्रहित	**नए संसद भवन में स्पीकर के आसन के पास सेंगोल स्थापित किया गया**
2023	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के 21 अनाम द्वीपों का नामकरण किया गया	21 परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर
2024	पोर्ट ब्लेयर (ब्रिटिश नौसेना अधिकारी आर्चीबाल्ड ब्लेयर के नाम पर)	श्री विजयपुरम
2025	स्वतंत्र भारत के इतिहास में कोई भी सिक्का ऐसा नहीं है जिस पर भारत माता का चित्र अंकित हो	भारत माता के चित्र वाला 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी

प्रगति पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

अमृत काल के पंच प्रण

विकसित भारत, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और नागरिक कर्तव्य

‘विरासत अपनाओ’ योजना

के तहत 3,697 स्मारकों में CSR के जरिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

के तहत हजारों राष्ट्रीय स्मारकों के साथ भारत की संरक्षित धरोहरों की संख्या में बढ़ोतरी

46वां विश्व धरोहर समिति सत्र

की मेजबानी कर भारत विरासत संरक्षण में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में सशक्त

26 नवंबर

'संविधान दिवस'

19 नवंबर 2015 को घोषित, संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 2015 से हर साल मनाया जाता है

चारधाम सड़क परियोजना

ने प्रमुख धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी को सुगम और आधुनिक बनाया

25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित। यह 1975 के आपातकाल की दिलाता है याद

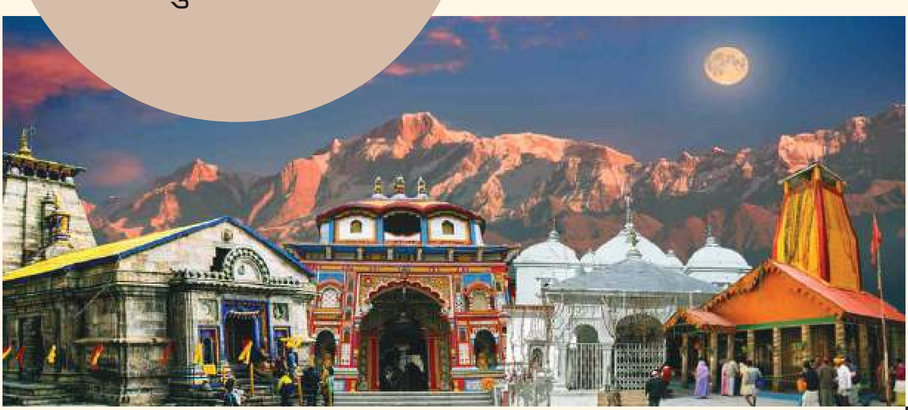

भारत ने आधुनिक तकनीक के जरिए धरोहरों के डिजिटलीकरण और संरक्षण को तेज किया

PRASHAD योजना

के तहत 1,700+ करोड़ रुपये से तीर्थ स्थलों का किया जा रहा विकास और संरक्षण

राष्ट्रीय स्मारक एवं पुरावशेष मिशन

के माध्यम से भारत ने विरासत का डिजिटलीकरण बढ़ाया

HRIDAY योजना

से हैरिटेज शहरों में बेहतर सुविधाएं और पर्यटन विकास को बढ़ावा

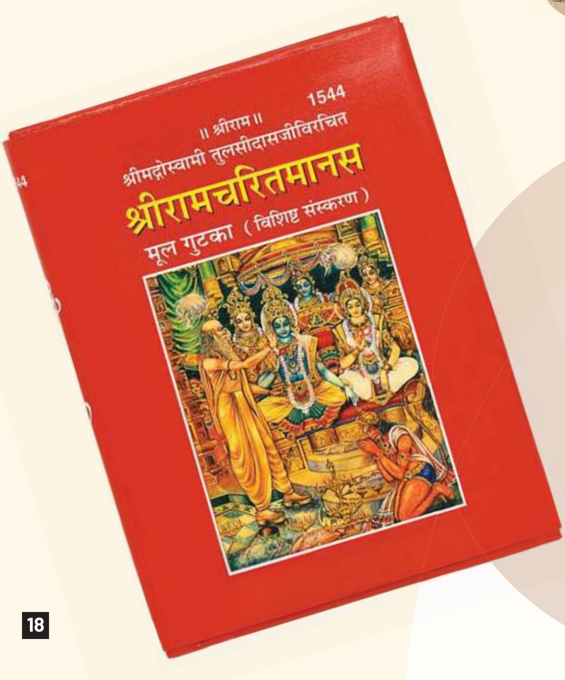

रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक-लोचना

को MOWCAP में शामिल कर भारत की साहित्यिक विरासत का सम्मान

"यदि हम मानसिक गुलामी से पूरी तरह मुक्त होने का संकल्प लें, तो ऐसा आत्मविश्वास जागेगा कि 2047 तक विकसित भारत बनने से कोई हमें रोक नहीं पाएगा।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

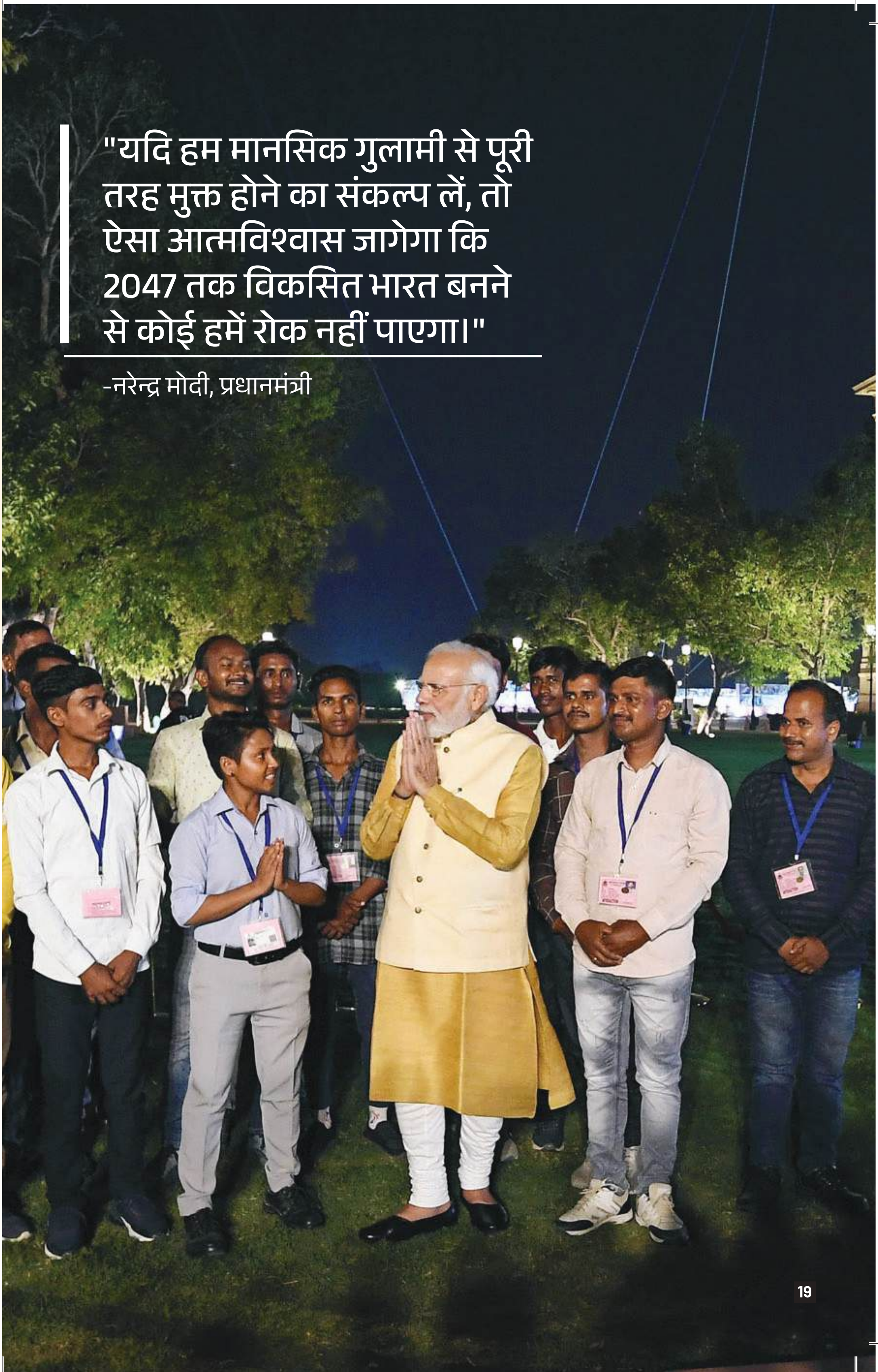

ज्ञान भारतम मिशन

भारत AI और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर 1 करोड़ से अधिक प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण कर रहा है। इसके लिए ₹ 483 करोड़ आवंटित

JATAN सॉफ्टवेयर

देश के संग्रहालयों और सांस्कृतिक धरोहरों के डिजिटलीकरण के लिए संस्कृति मंत्रालय का C-DAC पुणे के साथ सहयोग

अभिलेख पटल

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार का डिजिटल भंडार, जो ऐतिहासिक दस्तावेजों तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान करता है

वंदे मातरम अभियान

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ - डाक टिकट, सिक्के, वैश्विक कार्यक्रमों, 25 लघु फिल्मों और सभी छह छंदों के अनिवार्य गायन के साथ मनाई गई

बौद्ध विरासत का संरक्षण

भगवान बुद्ध से जुड़े 2,500 वर्ष पुराने रत्नों की नीलामी सफलतापूर्वक रोकी गई। भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेष 127 वर्ष बाद भारत लौटाए गए

दुनियाभर में भारतीय संस्कृति का गौरव गान

- तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति ने 2024 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा के साथ ही दुनिया के 24 प्रसिद्ध कवियों की प्रतिमाओं का अनावरण किया। तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रीय कवि की 300वीं जयंती के मौके पर मिला सम्मान
- जून, 2024 में दो कैरेबियाई देश सूरीनाम और सेंट विंसेंट व ग्रेनाडीन्स ने अपनी भारतीय धरोहर को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया। सूरीनाम में भारतीय समुदाय हर साल 5 जून को इंडियन अराइवल डे और प्रवासी दिवस के रूप में मनाता है

देश में पहली बार... विश्व धरोहर समिति की बैठक

- 18 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया
- विश्व धरोहर से जुड़े सभी मामलों के प्रबंधन तथा विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने वाले स्थलों के बारे में निर्णय लेने वाली इस समिति की बैठक की मेजबानी भारत ने पहली बार की

अध्याय 2

हरियाली से समृद्धि तक

ग्रीन एनर्जी की उड़ान

- नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ी रफ्तार, भारत ने दिखाया प्रकृति से प्यार
- 2014 से अब तक 3.6 गुना की वृद्धि। नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान
- वित्त वर्ष 2025-26 में **54 GW** की रिकॉर्ड अतिरिक्त नवीकरणीय क्षमता जोड़ी गई

ऊर्जा में दक्षता का नया युग

- कुशल सुपरक्रिटिकल/अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल इकाइयों की स्थापना, जिससे बिजली उत्पादन में प्रति इकाई CO_2 उत्सर्जन में कमी

207 लाख टन प्लास्टिक कचरा रिसाइकिल किया

- 2022 के **EPR** दिशानिर्देशों के बाद से रिसाइकिल किया गया 207 लाख टन प्लास्टिक पैकेजिंग कचरा

EV क्रांति में भारत की रफ्तार

- वित्त वर्ष 2025-26 में 24.5 लाख **EV** की बिक्री, दुनिया में तेजी से बढ़ते **EV** बाजार बनने की ओर अग्रसर भारत

LED क्रांति

- **UJALA** योजना के तहत लगभग 37 करोड़ **LED** बल्ब वितरित किए गए

1,990 करोड़ लीटर इथेनॉल

- 2025 तक इथेनॉल उत्पादन क्षमता 1,990 करोड़ लीटर पहुंचा
- 2014 के 1.5% के मुकाबले अब लगभग 20% हुआ
- इससे लगभग ₹1.8 लाख करोड़ की बचत

2014 से ठोस कचरा प्रोसेसिंग क्षमता में 500% की वृद्धि

- इस पहल से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए

डीजल की खपत में 64% की कमी

- 2016-17 से रेलवे के विद्युतीकरण के कारण भारतीय रेल में डीजल की खपत में 64% की कमी

2014 के बाद सौर क्षमता में 53 गुना की वृद्धि

- पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 44.61 गीगावाट की वृद्धि दर्ज
- भारत ने गैर-जीवाश्म स्रोतों से 50% बिजली क्षमता का लक्ष्य 2030 से पांच साल पहले हासिल किया

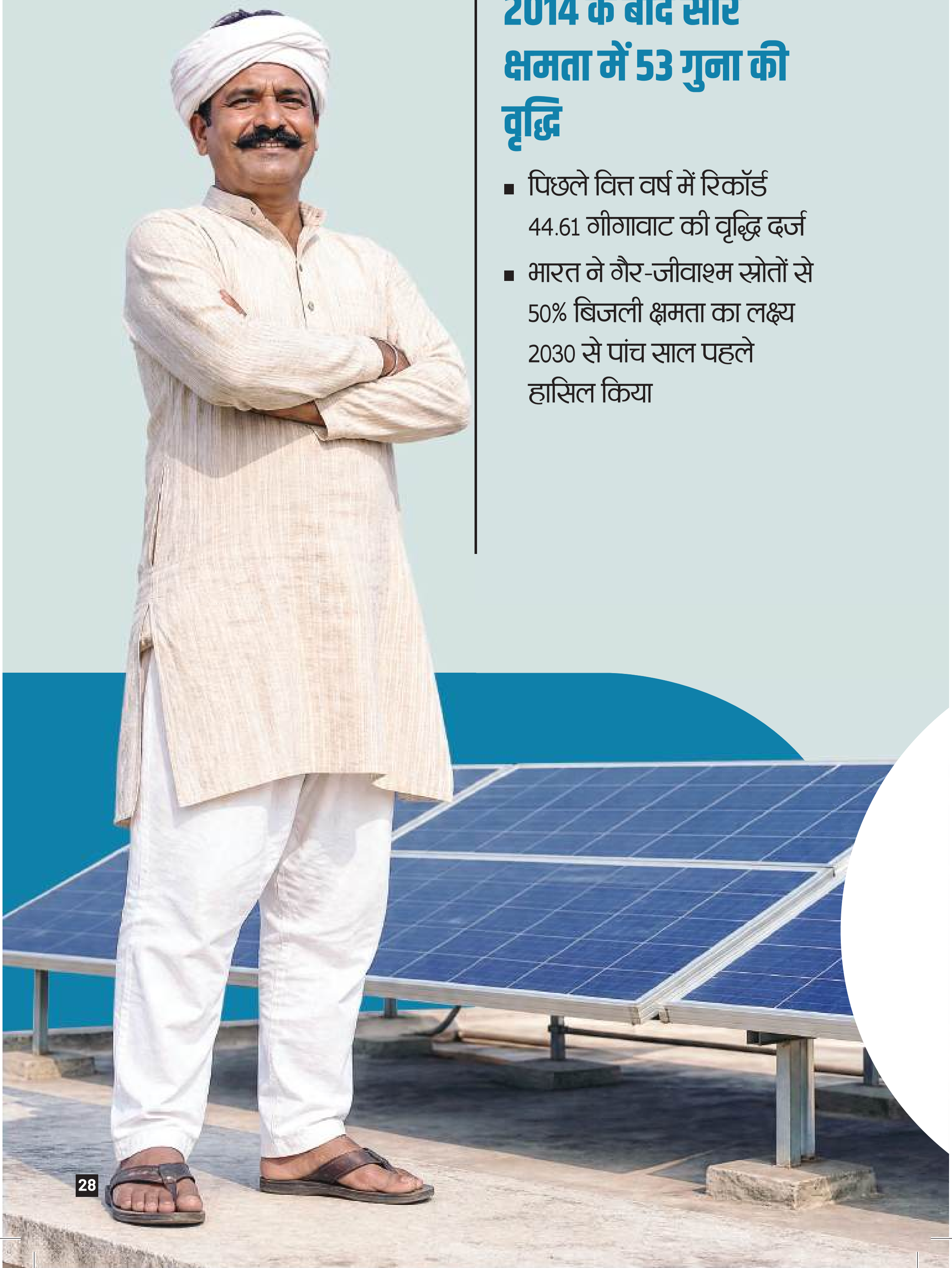

FASTag

जहां रुकावट थी, वहां रफ्तार है

- **FASTag** से प्रतीक्षा समय में 93% की कमी
- **FASTag** ने इंतजार के समय को 12 मिनट से घटाकर 47 सेकंड से भी कम कर दिया
- जिससे हर साल ईंधन में करोड़ों रुपये की बचत हुई

लगभग 37 लाख घर

पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना से हुए रोशन

- स्थापित क्षमता 10.87 **GW** पहुंची और 30 अप्रैल 2026 तक ₹19,480 करोड़ की सब्सिडी जारी की गई

ऊर्जा क्षमता में वृद्धि

विकास के मानक

1. नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में विस्तार
2. सौर ऊर्जा क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि
3. पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ी
4. सौर उत्पादन क्षमता का तेज विस्तार
5. विंड टर्बाइन निर्माण क्षमता में जबरदस्त वृद्धि
6. सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता बढ़ी
7. इथेनॉल क्षमता में निरंतर उपलब्धियां

2014 (तब)	2026 (अब)
76 GW	283 GW
2.82 GW	150.26 GW
21 GW	56.09 GW
2.3 GW	172 GW
10 GW	24 GW
4,780 MW	8,780 MW
1-1.5%	20%

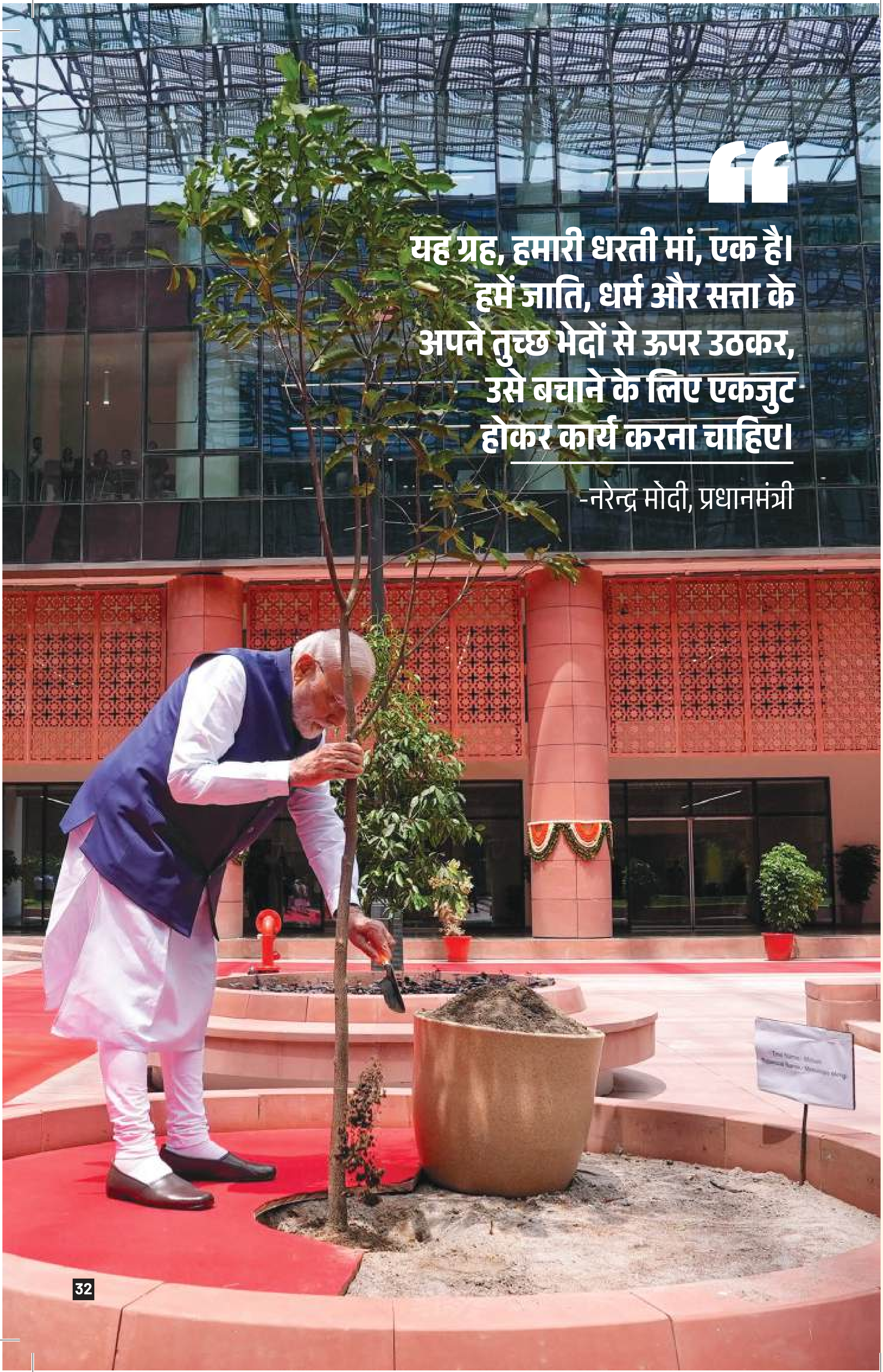

> यह ग्रह, हमारी धरती मां, एक है। हमें जाति, धर्म और सत्ता के अपने तुच्छ भेदों से ऊपर उठकर, उसे बचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।
>
> -नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रगति पथ पर अग्रसर...
12 वर्ष की यात्रा

Mission LiFE

जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने COP26 के दौरान किया, 2024 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया, जिससे भारत की सतत जीवनशैली में भूमिका और मजबूत हुई

2014 से पहले भारत को पर्यावरण के मामलों में बाधा डालने वाला देश माना जाता था, लेकिन अब यह वैश्विक जलवायु नेतृत्व में आगे है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र का **'Champions of the Earth'** पुरस्कार मिला, जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में वैश्विक नेतृत्व के लिए सबसे बड़ा सम्मान है

विश्व आर्थिक मंच ने देशों को भारत के विकास मॉडल से सीख लेने की सलाह दी है ताकि जलवायु कार्रवाई में बेहतर परिणाम मिल सकें

भारत और अमेरिका ने 2015 के पेरिस समझौते के बाद जलवायु लक्ष्यों को लागू करने में बड़ी प्रगति की है

भारत और फ्रांस ने मिलकर **International Solar Alliance** शुरू किया, जिससे लगभग 100 करोड़ लोगों को सस्ती और स्वच्छ सौर ऊर्जा का लाभ मिल रहा है

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत की जलवायु पहल को "Fantastic" कहा

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण भारत में लगभग सभी घरों में शौचालय की सुविधा, जिससे स्वास्थ्य और गरिमा में सुधार हुआ

पीएम उज्ज्वला योजना
से लाखों महिलाओं को धुएं से राहत मिली और घरेलू जीवन बेहतर हुआ

पीएम कुसुम योजना
के तहत किसानों को 25+ लाख सोलर पंप मार्च 2026 तक दिए

पंप देने के मामले में 118 गुना की बढ़ोतरी

राजस्थान में दुनिया के सबसे बड़े सोलर पार्कों में से एक स्थापित हुआ, जिससे भारत नवीकरणीय ऊर्जा में आगे बढ़ा

FAME योजना
लगभग 20 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में प्रोत्साहन

5,500+ ई-बसें इस योजना के तहत उतारी गईं

नेट
जीरो घोषणा के बाद
भारत ने

कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना

शुरू की, ग्रीनहाउस गैस कम करने पर ध्यान बढ़ा और लोग स्वेच्छा से इसमें भाग ले सकते हैं

बजट में कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए अगले 5 वर्षों में ₹ 20,000 करोड़ का आवंटन, नवीकरणीय ऊर्जा को 24% अधिक फंड मिला

बैटरी व अन्य स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों को बढ़ावा दिया गया

भारत ने 2035 के लिए अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य बढ़ा दिए हैं। अब लक्ष्य है 60% गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता बढ़ाना, 47% कम कार्बन उत्सर्जन तीव्रता, और 350 से 400 करोड़ टन का कार्बन उत्सर्जन कम करना (जंगल और पेड़ बढ़ाकर)

SHANTI अधिनियम 2025

के तहत निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा में भागीदारी की अनुमति दी गई। 2047 तक 100 GW लक्ष्य रखा गया

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम

के तहत 345 GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई। बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है

नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन

के तहत ग्रीन हाइड्रोजन प्रमाणन प्रणाली शुरू की गई। पूरी सप्लाई चेन के लिए 122 मानक अपनाए ताकि हाइड्रोजन वैल्यू चेन को रेग्युलेट किया जा सके

जियोथर्मल ऊर्जा नीति 2025

का उद्देश्य देशभर में जियोथर्मल ऊर्जा की खोज, विकास और उपयोग को तेज करना है

अध्याय 3

सांस्कृतिक पुनर्जागरण

सांस्कृतिक विरासत का प्रसार

- 210 सांस्कृतिक दलों ने विश्वभर में भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रसार किया
- 21 योजनाओं के तहत 192 देशों के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 4,000 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं

भारत लौटीं भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थियां

- उत्तर प्रदेश के पिपरहवा में 1898 में खोजी गई धरोहर फिर से भारत लौटी

'हर घर तिरंगा' बना जन-अभियान

- 2022 में 23 करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया गया
- 2025 में 'हर घर तिरंगा' का चौथा संस्करण राष्ट्रीय ध्वज के साथ 75 लाख सेल्फी अपलोड
- 18 करोड़ 'स्वच्छ सुजल गांव' की प्रतिज्ञाएं ली गईं। यह दुनिया के सबसे बड़े सहभागी आंदोलनों में से एक है, जो नागरिकों को एकजुट करता है

आध्यात्मिक पर्यटन से अर्थव्यवस्था को मजबूती

- भारत की **GDP** में 2.5% योगदान

अयोध्या में आस्था का अभूतपूर्व संगम

- 16 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री राम मंदिर में दर्शन किए

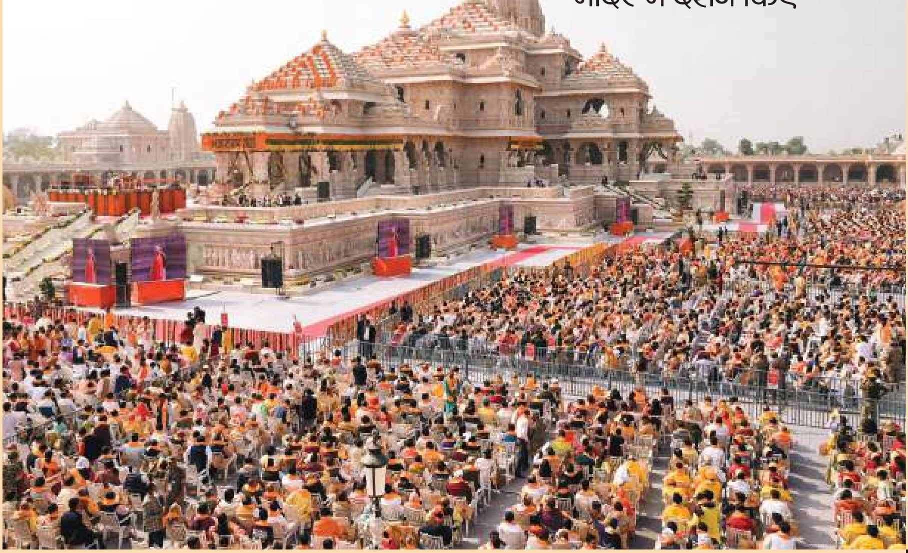

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बना वैश्विक आकर्षण

- अक्टूबर 2025 तक 2.5 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे

योग को मिला दुनिया में सम्मान

- दिसंबर 2014 में 177 देशों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया-**UNGA** इतिहास में सबसे अधिक देशों द्वारा प्रस्ताव का समर्थन

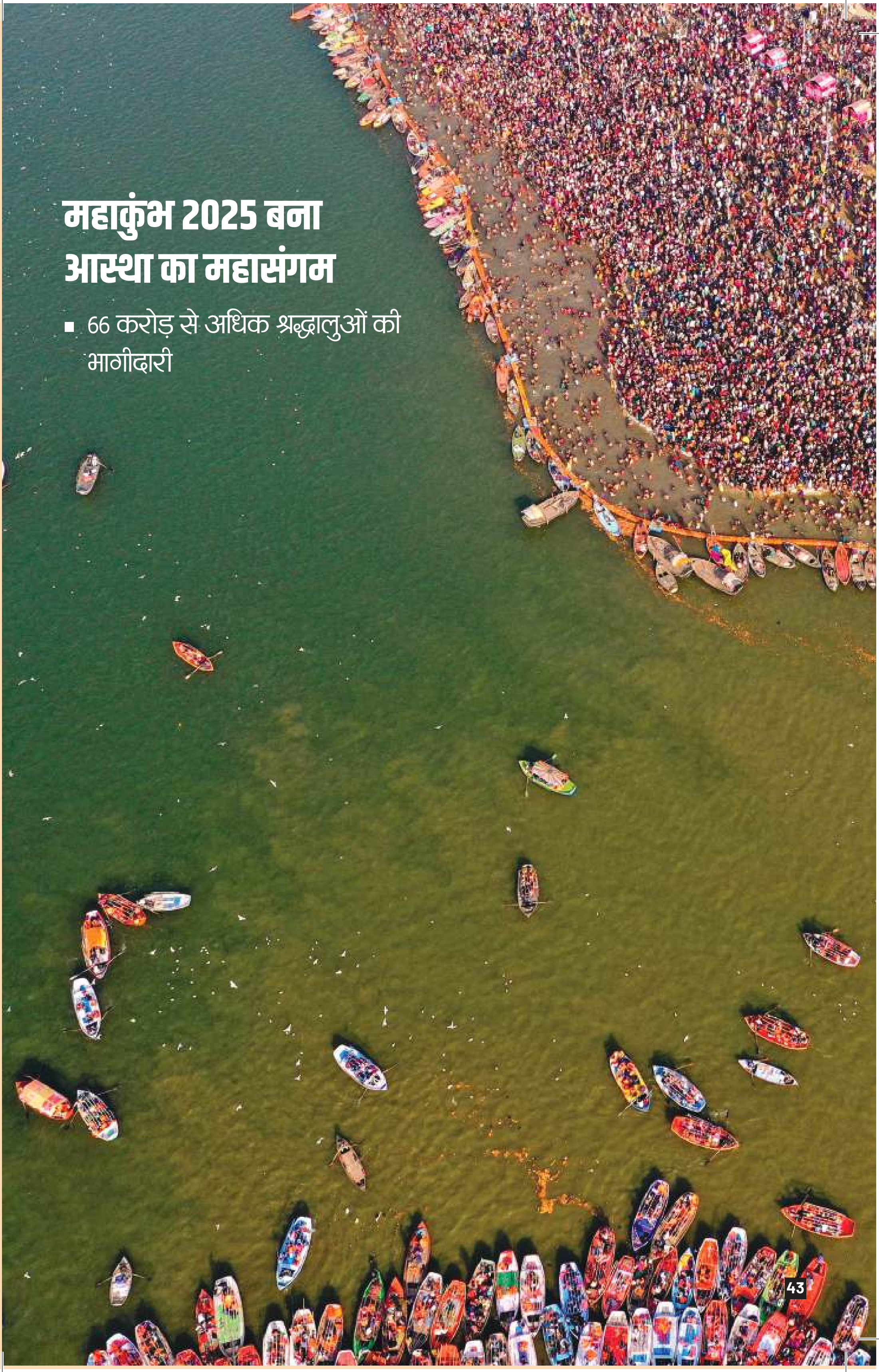

महाकुंभ 2025 बना आस्था का महासंगम

- 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी

कलाग्राम: कला और संस्कृति का नया केंद्र

- प्रयागराज में संस्कृति मंत्रालय द्वारा 10.24 एकड़ में विकसित समर्पित सांस्कृतिक परिसर

स्वदेश दर्शन योजना की उल्लेखनीय सफलता

- 75 परियोजनाएं पूर्ण, 99% डिलीवरी दर के साथ

भारत माता पर पहला ₹100 का स्मारक सिक्का

- स्वतंत्र भारत में पहली बार भारत माता को समर्पित स्मारक सिक्का जारी
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गौरवशाली 100 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में भारत सरकार ने एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया
- ₹100 के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न तो दूसरी तरफ सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है, जिन्हें आरएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा नमन किया जा रहा है

भारतीय भाषाओं को बढ़ावा

- भारतीय भाषा पुस्तक योजना के तहत 22 भारतीय भाषाओं में 22,000 पाठ्यपुस्तकें तैयार

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया अध्याय

विकास के मानक

1. सांस्कृतिक निवेश में वृद्धि
2. काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या
3. केदारनाथ: आस्था का प्रतीक
4. चार धाम यात्रा में बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या
5. कुंभ में श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक भागीदारी

2014 (तब)	2026 (अब)
₹2,094 करोड़	₹3,550 करोड़
55 लाख	1.47 करोड़
40,000 श्रद्धालु	16 लाख श्रद्धालु
24 लाख श्रद्धालु	54 लाख श्रद्धालु
12 करोड़	66 करोड़

सोमनाथ

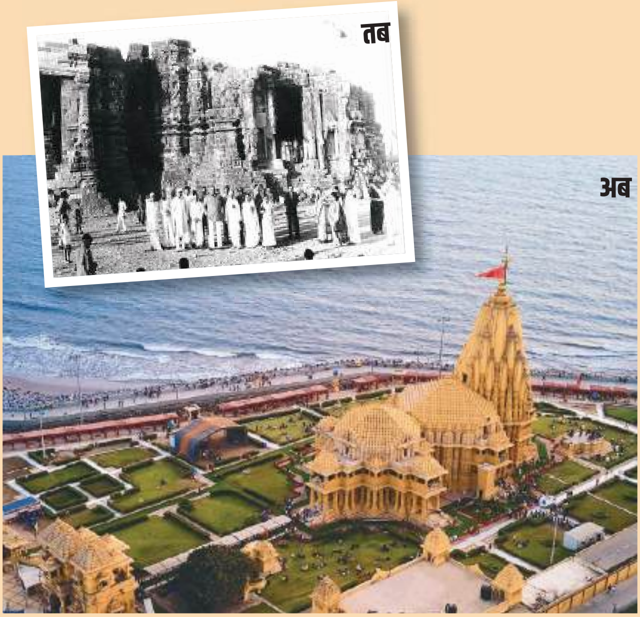

मां कालिका देवी पावागढ़

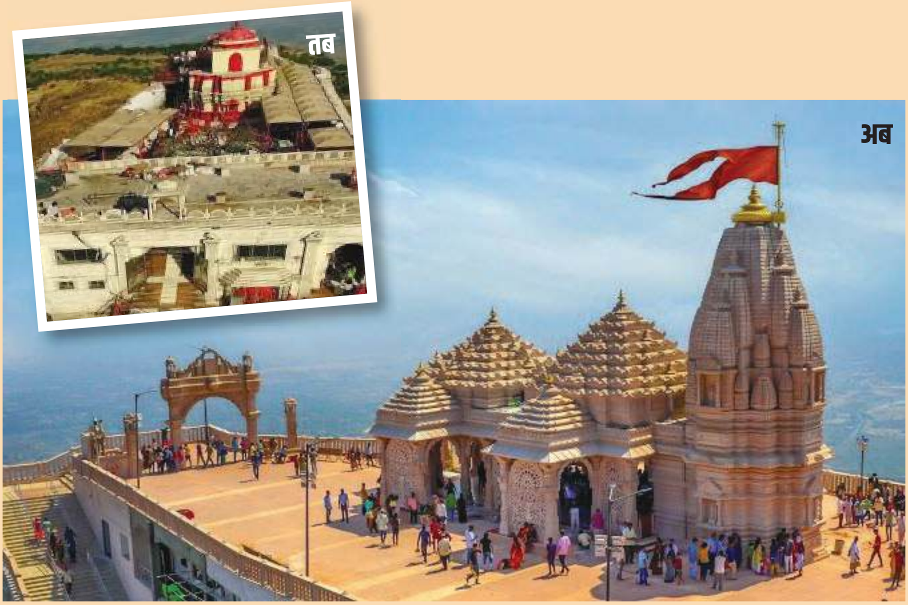

केदारनाथ

श्री राम मंदिर

प्रगति पथ पर अग्रसर...
12 वर्ष की यात्रा

भारत मंडपम में विश्व की सबसे ऊंची नटराज प्रतिमा

भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक विरासत का भव्य प्रतीक

आदि तिरुवाथिरै महोत्सव का भव्य आयोजन

वर्ष 2025 में गंगईकोंडा चोलपुरम में चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजन

राम मंदिर की धर्म ध्वजा

स्वर्ण धागों से अंकित सूर्य और कोविदार वृक्ष के प्रतीक भारतीय परंपरा, आध्यात्मिकता और समृद्धि का संदेश देते हैं

सेंगोल को मिला राष्ट्रीय सम्मान

14 अगस्त 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल सौंपा गया, वर्ष 2023 में नए संसद भवन में स्थापित किया

एक भारत श्रेष्ठ भारत

सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान से राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बना सांस्कृतिक चेतना का केंद्र

देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं ने इसे भारत की सभ्यतागत पहचान का सशक्त प्रतीक बनाया

गुमनाम नायकों का सम्मान

पद्म पुरस्कार - पद्म सम्मान में प्रतिष्ठा से अधिक सेवा और योगदान को महत्व, नामांकन प्रक्रिया आम नागरिकों के लिए खुली

भव्य मंदिर कॉरिडोरों का निर्माण

काशी विश्वनाथ, महाकाल लोक और कामाख्या जैसे तीर्थ आधुनिक आध्यात्मिक एवं आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन

'मेरा गांव मेरी धरोहर' सहित भारत की लोक परंपराओं, कला और विरासत का व्यापक डिजिटल दस्तावेजीकरण

आजादी का अमृत महोत्सव

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्रभक्ति का व्यापक उत्सव

यूनेस्को विश्व धरोहर में भारत की बढ़ती पहचान

2014 के बाद हर वर्ष नए स्थलों का समावेश

भारत विश्व के प्रमुख धरोहर स्थलों वाले देशों में शामिल

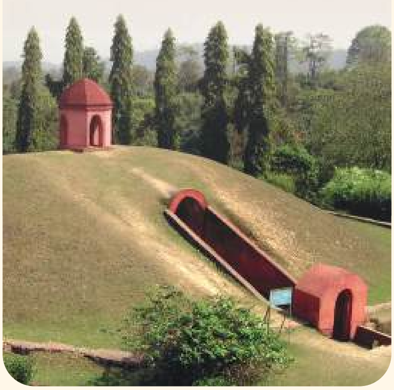

काशी तमिल संगमम

गंगा और द्रविड़ सभ्यता की प्राचीन सांस्कृतिक धाराओं को जोड़ने वाला विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम बना

यह समय कंधे से कंधा मिलाकर चलने का है, यह समय नई गति से आगे बढ़ने का है। हमें रामराज्य की प्रेरणा से युक्त भारत का निर्माण करना है। यह तभी संभव है, जब राष्ट्रहित को स्वार्थ से ऊपर रखा जाए और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि बने।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

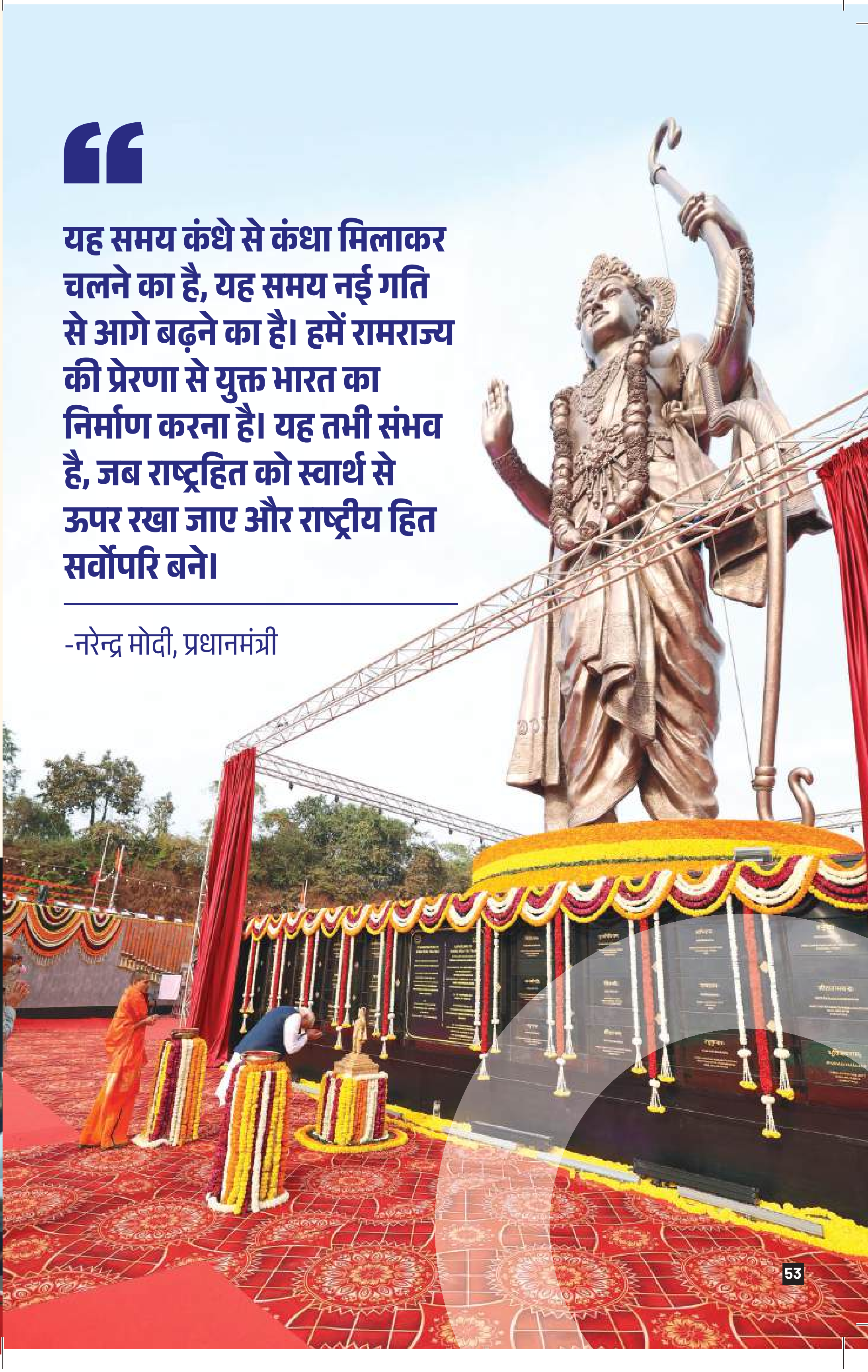

वैश्विक सहभागिता योजना

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर तीन सशक्त माध्यमों के जरिए अपना प्रतिनिधित्व मिलता है

- 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया' देश की कलात्मक और सभ्यतागत विरासत को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाता है
- इंडो-फॉरेन फ्रेंडशिप कल्चरल सोसाइटीज को दी जाने वाली सहायता लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करती है
- अंतर-सरकारी संगठनों को दिए जाने वाले योगदान बहुपक्षीय सांस्कृतिक सहभागिता को मजबूत करते हैं
- ये तीनों स्तंभ मिलकर भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर प्रस्तुत करते हैं, वैश्विक संबंधों को मजबूत करते हैं और पर्यटन को सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बनाते हैं

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के सोमनाथ मंदिर पहुंचे

- इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि यह स्थल भारत की आध्यात्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर की निरंतरता का जीवंत प्रतीक है
- उन्होंने महापूजा और कुम्भाभिषेक संपन्न किया, जिससे भारत की आध्यात्मिक परंपरा और सभ्यतागत गौरव की पुनर्पुष्टि हुई
- सोमनाथ स्वाभिमान पर्व (8-11 मई, 2026), सोमंनाथ मदिर पर 1026 में हुए पहले अभिलिखित आक्रमण के 1000 वर्ष पर स्मरणोत्सव के रूप में मनाया गया
- 11 मई, 1951 को मौजूदा सोमनाथ मंदिर को भक्तों के लिए फिर से खोला गया था, 2026 का वर्ष उस समय के भी 75 साल पूरे होने का अवसर है

सोमनाथ अमृत महोत्सव

पीएम मोदी ने सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया

बजट 2026-27

- 20 प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों पर 10,000 टूरिस्ट गाइड के कौशल विकास के लिए एक पायलट योजना
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी को अपग्रेड कर इसे 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी' बनाया गया
- राष्ट्रीय डेस्टिनेशन डिजिटल नॉलेज ग्रिड का निर्माण
- 15 पुरातात्विक स्थलों का सार्वजनिक पर्यटन स्थलों के रूप में विकास
- क्षेत्रीय हवाई संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीप्लेन के स्वदेशी निर्माण हेतु प्रोत्साहन एवं वायबिलिटी गैप फंडिंग

अध्याय 4

वन और वन्यजीव संपदा का संरक्षण

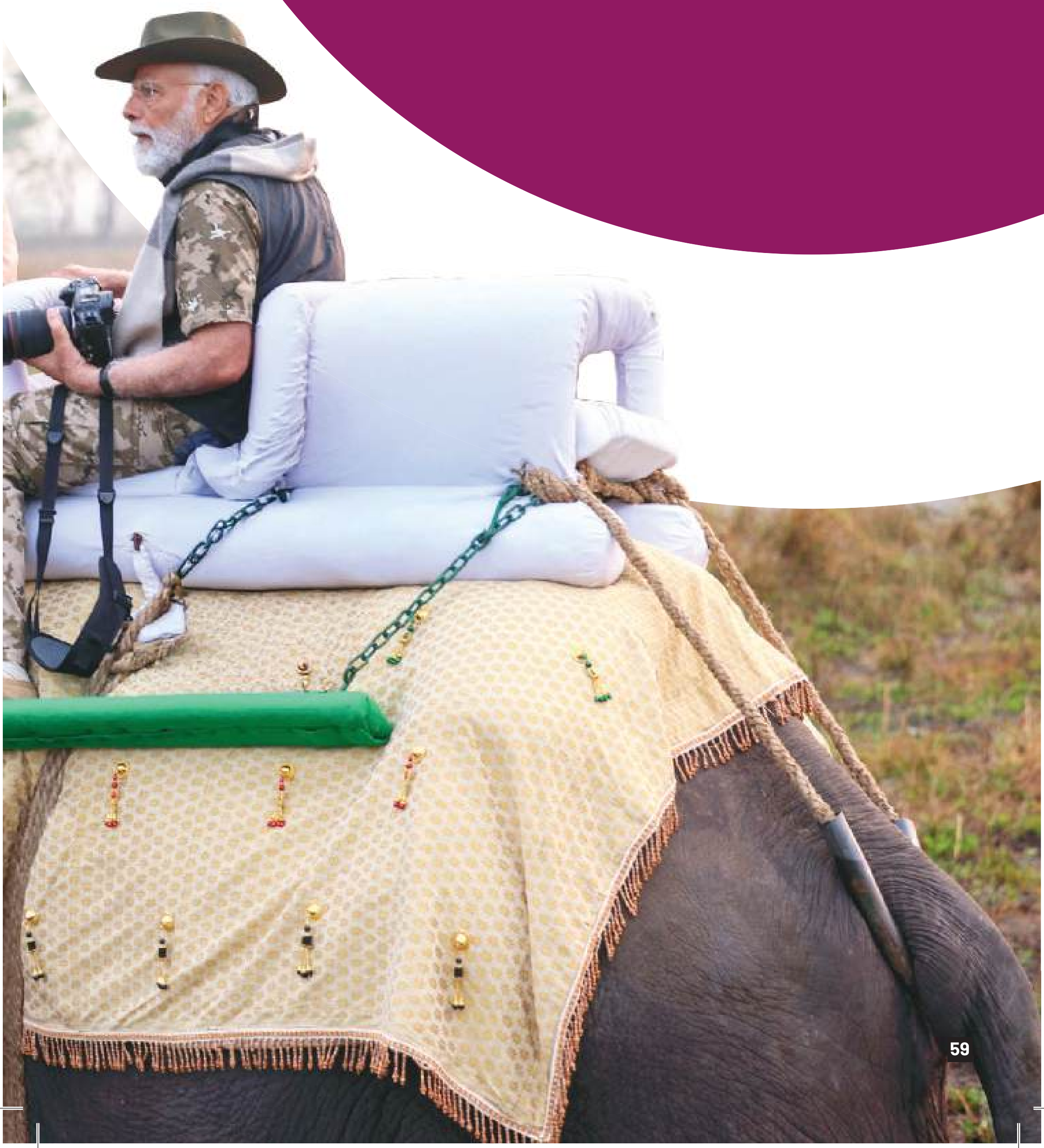

99 रामसर स्थलों के साथ भारत पहले स्थान पर

- भारत के रामसर नेटवर्क का विस्तार 276% से अधिक हुआ है, 2014 में 26 स्थलों से बढ़कर वर्तमान में 99 स्थल हो गया है

1 लाख से ज्यादा इको- क्लब

- देशभर में 1 लाख से ज्यादा इको-क्लब काम कर रहे हैं

मिशन लाइफ गतिविधियों में 6 करोड़ लोगों ने लिया भाग

- दिसंबर 2025 तक 6 करोड़ से अधिक लोगों ने 34 लाख से अधिक कार्यक्रमों में भाग लिया और 4.96 करोड़ संकल्प लिए गए

वार्षिक वन वृद्धि के मामले में भारत का विश्व में तीसरा स्थान

- कुल वन क्षेत्र के मामले में भारत विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर है, और कार्बन सिंक वाले शीर्ष देशों में 5वें स्थान पर है।

200 करोड़ टन से ज्यादा कार्बन सिंक निर्मित

- देश में वन आवरण के माध्यम से 200 करोड़ टन से ज्यादा कार्बन सिंक निर्मित किया गया

अरावली ग्रीन वॉल अभियान

- अरावली ग्रीन वॉल अभियान के पहले साल में 36,000+ हेक्टेयर जमीन को फिर से हरा-भरा बनाया गया

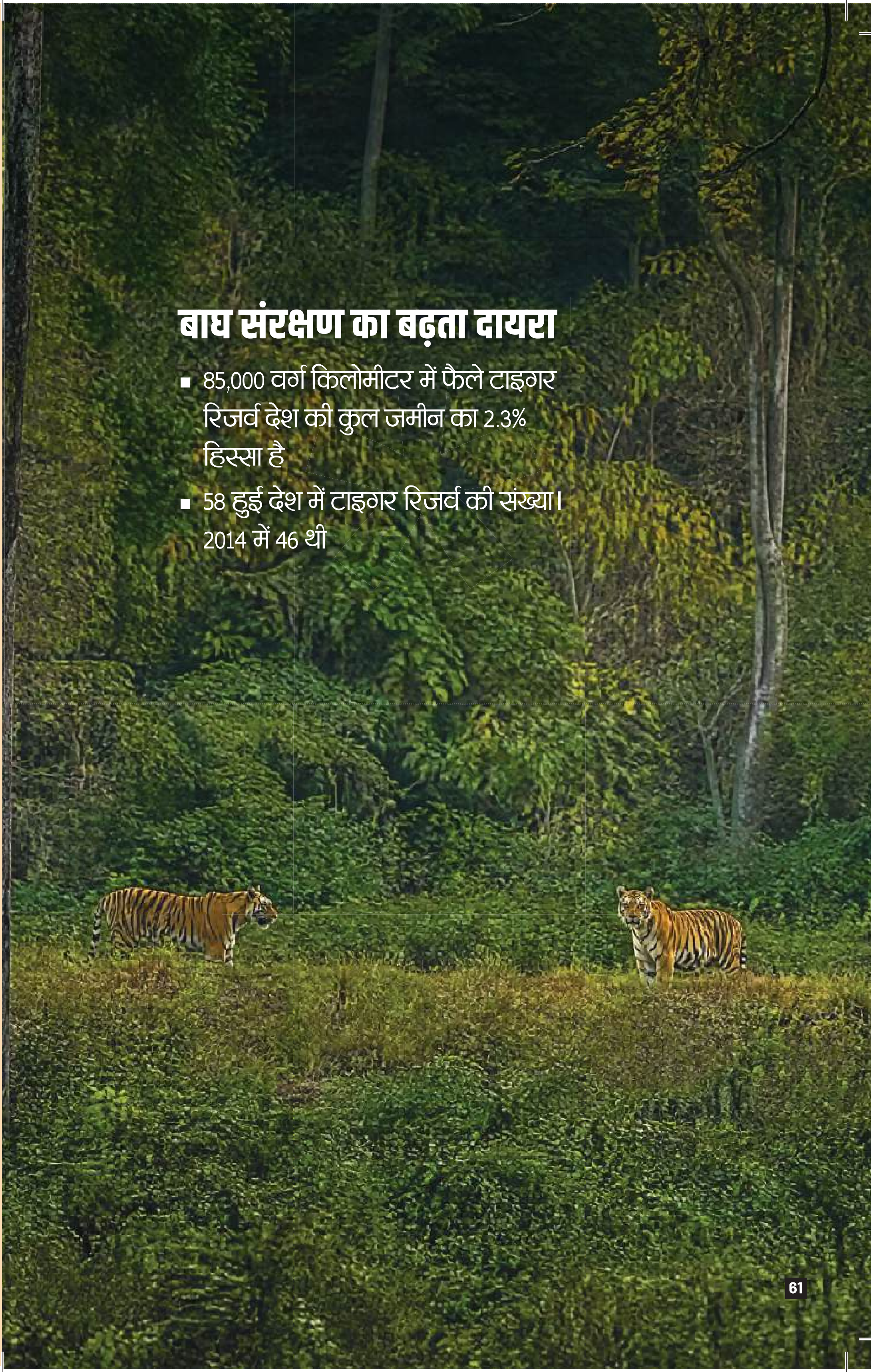

बाघ संरक्षण का बढ़ता दायरा

- 85,000 वर्ग किलोमीटर में फैले टाइगर रिजर्व देश की कुल जमीन का 2.3% हिस्सा है
- 58 हुई देश में टाइगर रिजर्व की संख्या। 2014 में 46 थी

हरित भारत की ओर बढ़ते कदम

- देश के 25% से ज्यादा हिस्से में अब जंगल और पेड़ हैं

620 नगर वन

- 28 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 620 नगर वन बनाए गए हैं

मैंग्रोव पुनर्जीवन

- नष्ट हो चुके मैंग्रोव क्षेत्रों के 22,000+ हेक्टेयर इलाके में पौधारोपण और सुधार का काम किया गया

जैव विविधता संरक्षण क्षेत्र का विस्तार

- देश के 5% से अधिक क्षेत्र को जैव विविधता बचाने के लिए संरक्षित क्षेत्र बनाया गया

एक पेड़ माँ के नाम

- 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 260 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए गए

64

एनडीए सरकार के पिछले 12 वर्षों का प्रभाव

विकास से जुड़े आंकडे

- रामसर साइट्स की संख्या बढ़ी
- बाघों की संख्या में वृद्धि
- गैंडे के शिकार की घटनाएं
- तेंदुओं की संख्या में वृद्धि
- देश में संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार
- जंगलों की CO_2 अवशोषण की क्षमता बढ़ी

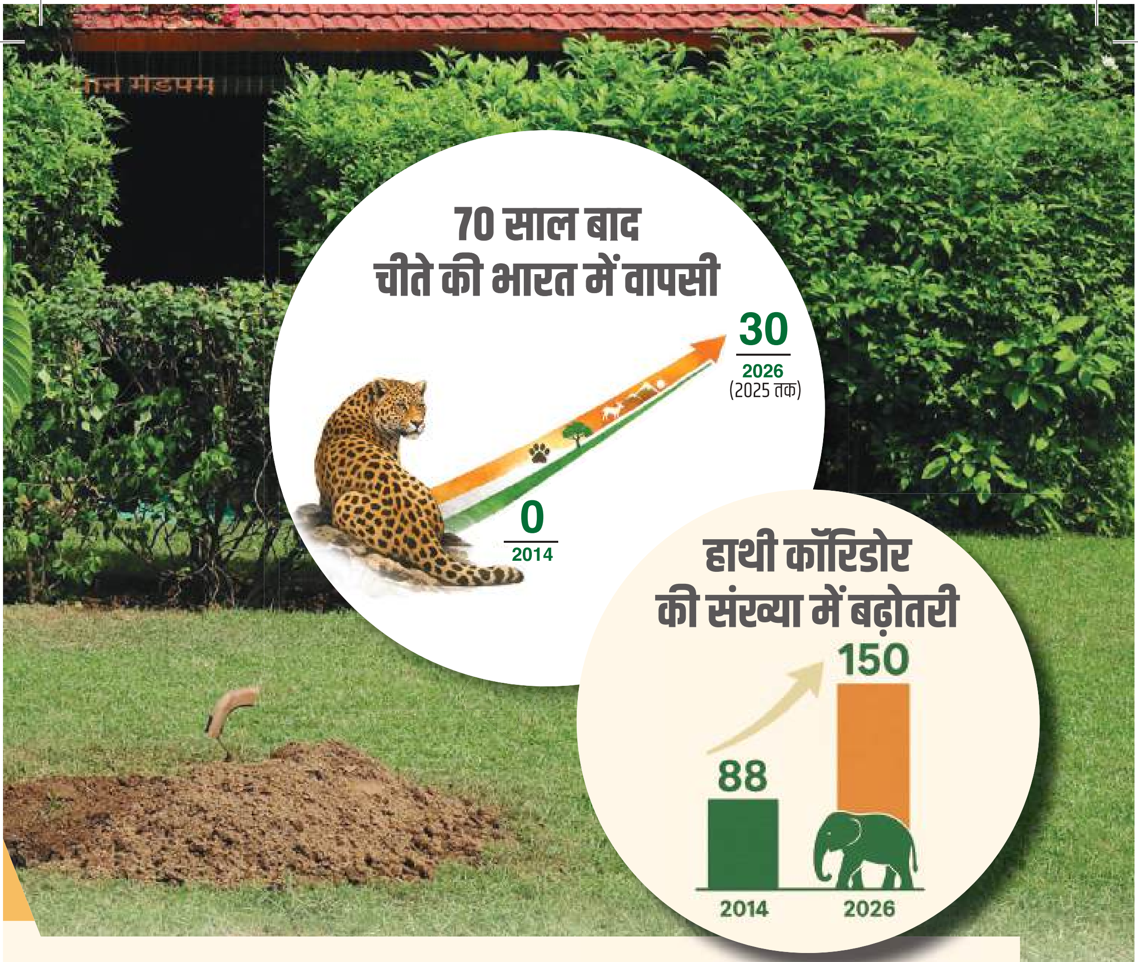

2014 (तब)	2026 (अब)
26	99
2,200	3,600
43	0
7,000	13,000
700	1,100 (2025 तक)
6.6 गीगाटन	7.2 गीगाटन

प्रगति पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

2025 में **रामसर में भारत** द्वारा पेश किया गया "वेटलैंड्स के सही और टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देने" वाला प्रस्ताव स्वीकार किया गया

2025 में **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा** के सातवें सत्र में भारत का "दुनिया भर में जंगल की आग के बेहतर प्रबंधन" से जुड़ा प्रस्ताव अपनाया गया

2024 में भारत ने असम में पहली बार **गंगा डॉल्फिन** को सैटेलाइट टैग लगाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2023 में शुरू किया गया

इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस

दुनिया के कई देशों का समर्थन हासिल कर चुका है

वेटलैंड्स के सही उपयोग और रामसर साइट्स की सुरक्षा के लिए चलाए गए

"सेव वेटलैंड्स अभियान"

से देशभर में लाखों लोग जुड़े

गिद्ध पर्यावरण को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये बीमारियों को फैलने से रोकते हैं। गिद्धों की घटती संख्या को बचाने के लिए भारत में कई गिद्ध प्रजनन केंद्र बनाए गए हैं

भारत के समुद्री तटों पर मैंग्रोव जंगलों को फिर से विकसित करने के लिए शुरू की गई **"MISHTI"** पहल को बड़ी सफलता

2015 में शुरू किया गया राष्ट्रीय हिमालय अध्ययन मिशन हिमालयी क्षेत्रा के टिकाऊ विकास के लिए ज्ञान का बड़ा केंद्र बन गया है

देशभर में हरित और पर्यावरण से जुड़े कौशल विकसित करने के लिए शुरू किए गए ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत लाखों छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया है

भारत ने 2021 में राष्ट्रीय समुद्री कछुआ कार्य योजना शुरू की, ताकि समुद्री कछुओं और उनके रहने के स्थानों की सुरक्षा की जा सके

इंसानों और जंगली जानवरों के बीच संघर्ष को कम करने के लिए राष्ट्रीय मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन रणनीति और कार्य योजना बनाई गई है

2019 में भारत ऐसा पहला देश बना जिसने

कूलिंग एक्शन प्लान

शुरू किया। इससे कूलिंग की जरूरत कम होगी। ऊर्जा की बचत होगी और नई तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा

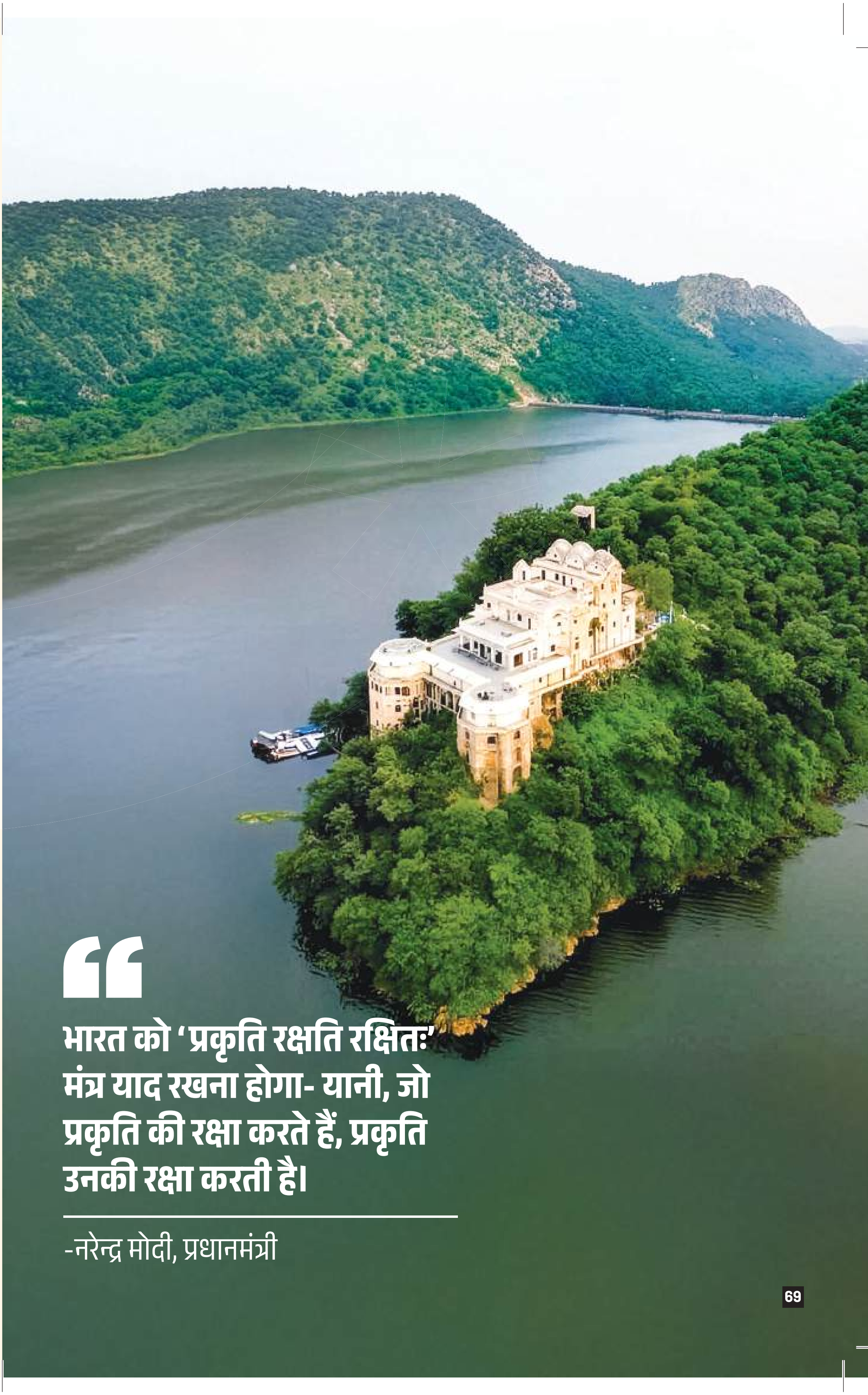

भारत को 'प्रकृति रक्षति रक्षितः' मंत्र याद रखना होगा- यानी, जो प्रकृति की रक्षा करते हैं, प्रकृति उनकी रक्षा करती है।
-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

टाइगर रिजर्व के बाहर बाघों की सुरक्षा और इंसान-जानवर संघर्ष कम करने के लिए नई योजना शुरू की गई

मध्य प्रदेश के गांधीसागर अभयारण्य और गुजरात के बन्नी घास के मैदानों को चीता पुनर्वास के नए स्थानों के रूप में चुना गया

वन्यजीवों के स्वास्थ्य प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए जूनागढ़ में राष्ट्रीय वन्यजीव रेफरल केंद्र की आधारशिला रखी गई

घटती संख्या को बढ़ाने के लिए घड़ियाल संरक्षण परियोजना शुरू की गई

स्लॉथ बियर के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यान्वयन ढांचा शुरू किया गया

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षी की सुरक्षा बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय संरक्षण कार्य योजना शुरू की गई

परिवेश 2.0

नाम का नया डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया गया, जिससे पर्यावरण, जंगल, वन्यजीव और तटीय क्षेत्रों से जुड़ी मंजूरियों की निगरानी और प्रबंधन आसान

प्रोजेक्ट डॉल्फिन (फेज-2) की कार्य योजना लागू की गई, ताकि देशभर में नदी और समुद्री डॉल्फिन की सुरक्षा मजबूत हो सके

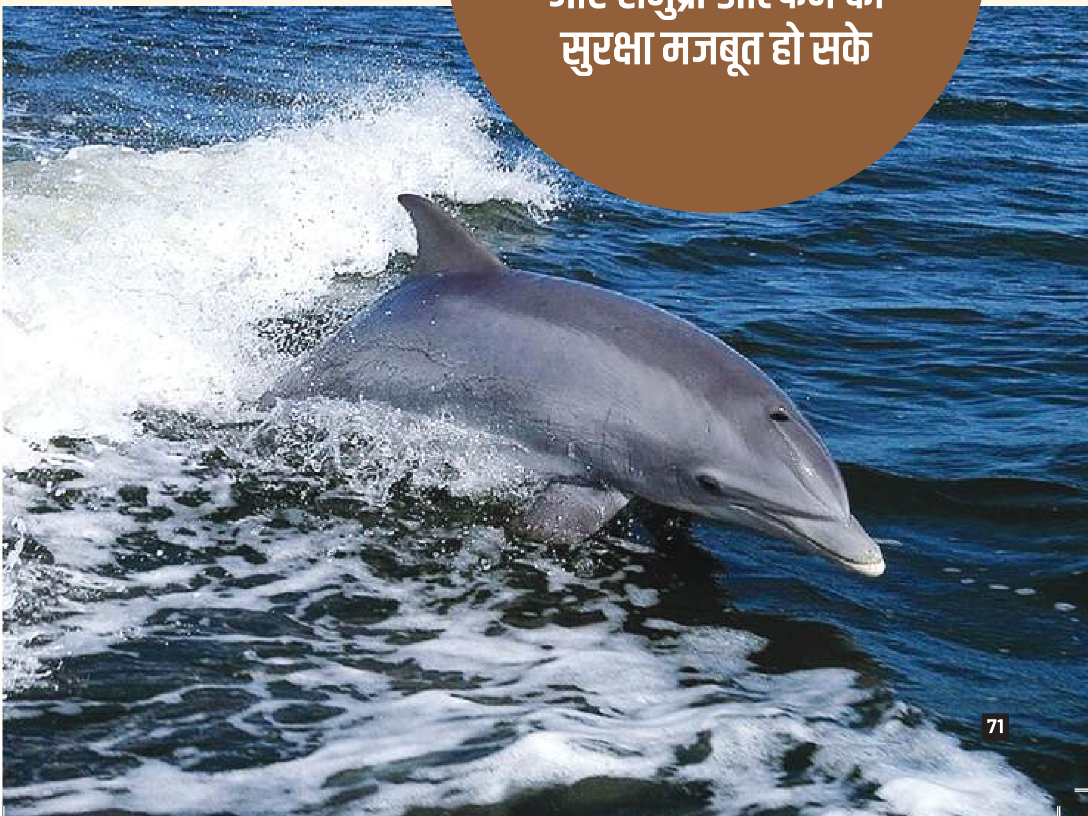

देहरादून स्थित **वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया** में नई पीढ़ी की डीएनए सीक्वेंसिंग सुविधा शुरू की गई, ताकि वन्यजीवों पर बेहतर रिसर्च हो सके और संरक्षण योजनाएं मजबूत बन सकें

वन (संरक्षण एवं संवर्धन) संशोधन नियम, 2025 के तहत खराब और सरकारी वन भूमि पर पौधरोपण के लिए भूमि बैंक बनाने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया

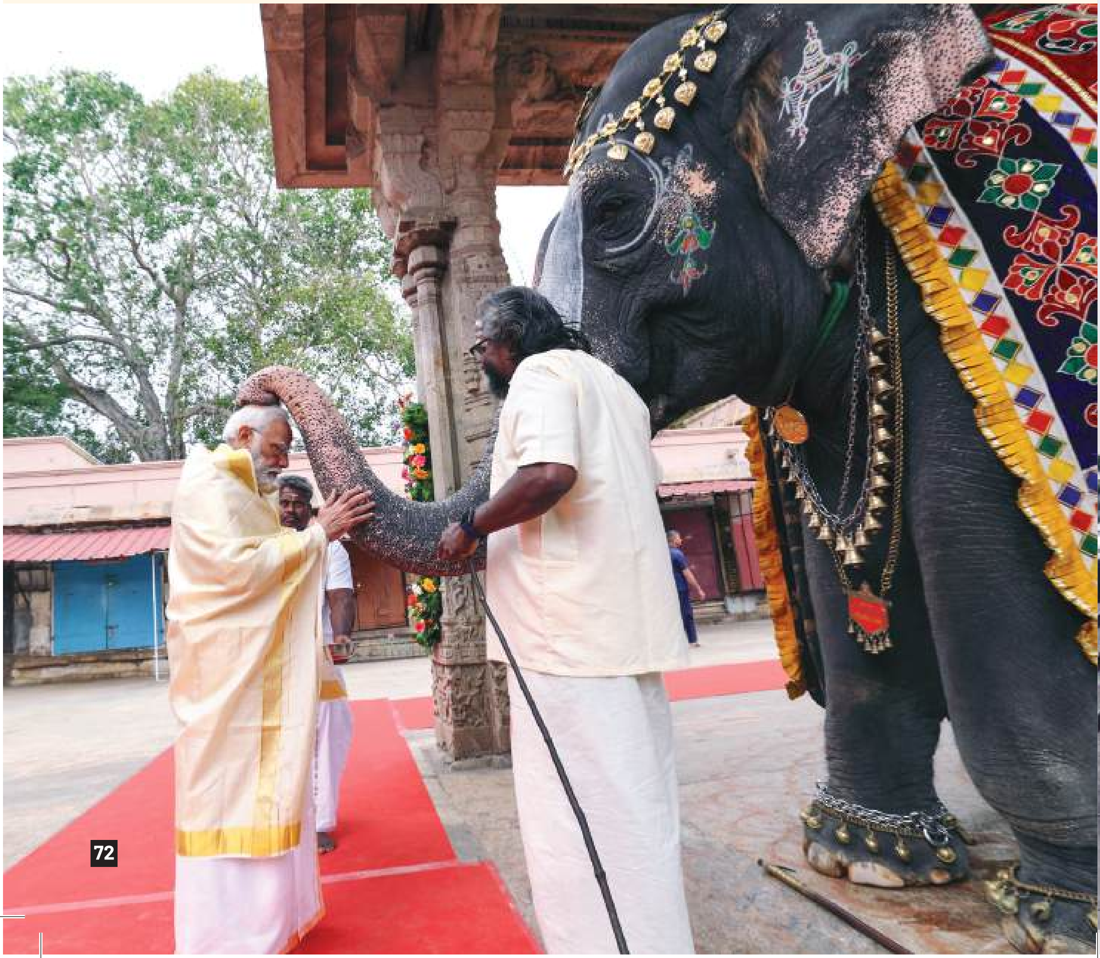

> जब नई पीढ़ियां अपने इतिहास, अपनी आस्था और अपने सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ती हैं, तब राष्ट्र का आत्मबल और मजबूत होता है। आधुनिकता हो या विरासत हो, भारत में इसे कोई अलग नहीं कर सकता। भारत में यह एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, ये साथ-साथ आगे बढ़ने वाली शक्तियां हैं।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते

भारत सरकार